जनम लियो गोकुल में गोपाल बृज में खुशियां हैं छाई लिरिक्स

जनम लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई,
खुशियां हैं छाई बृज में,
खुशियां हैं छाई,
जन्म लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई।bd।

तर्ज – काऊ दिन उठ गयो मेरो हाथ।

छवि सलौनी श्याम की देखो,
ऐसी सुखदायी,
नन्द बाबा और जसोदा माता,
देख के हरषाई,
जन्म लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई।bd।

रूप सलौना ऐसा मोहना,
और कहीं नाही,
जादू सा कुछ है श्याम के,
नैनन के माहीं,
जन्म लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई।bd।

नन्दलाला तेरी झांकी 'मोहन',
ऐसी मन भाई,
राज चले इस दिल पे केवल,
तेरो हरजाई,
जन्म लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई।bd।

जनम लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई,
खुशियां हैं छाई बृज में,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

खुशियां हैं छाई,
जन्म लियो गोकुल में गोपाल,
बृज में खुशियां हैं छाई।bd।

Singer – Bhawna Lakwal

लेखक / प्रेषक – प्रशांत सोनी “मोहन”

9253470444

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com